[श्री सैयद सिब्ते रजी]

हिन्दुस्तान को बचा सकेंगे, मुल्क की जम्हूरियत को बचा सकेंगे, लोकतंत्र को बचा सकेंगे ।

ALLOCATION OF TEKE[T] FOR DISPOSAL OF GOVERNMENT LEGISLATIVE BUSINESS

THE VICErCHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Before I call the next speaker, I have to make an announcement.

I have to inform Members that the Business Advisory Committee, at its meeting held today, the 3rd January 1991, allotted time for Government legislative business as follows: —

Business	Tim e Allotted
1. Consideration and passing of'hi following; ill after these are passed by the Lck Sabha:	
(a) Til- public Liability Insurance Bill, 1990.	lhr.
(b) The jute Manufactures Dsvel pmmt Council (Amendment) Bill, 1990.	2 hts.

CALLING ATTENTION TO A MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE—COMMUNAL. SITUATION IN THE COUNTRY— (contd.)

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA); Yes, Mr. Raflque Alam.

श्री रफीक आलम (बिहार) : उपसभाध्यक्ष जी, मैं ज्यादा वक्त नहीं लेना चाहता क्योंकि मैं बहुत दुखी हूं । आंख जो कुछ देखती हैं, लब पर आ सकता नहीं । खून, कत्ल, गारतगिरी के वाक्यात जो हुये हैं पूरे हिन्दुस्तान के ज्यादातर हिस्से में, वह इंतहाई शर्मनाक हैं और यही नहीं, मारने वाला कोई दूसरी कंट्री का नहीं– मारने वाले भी हिन्दुस्तानी, मारे जाने वाले भी हिन्दुस्तानी और करोड़ों की जायदाद का नुकसान जो हुआ, क्या यह पाकिस्तान का नुकसान हुआ या चीन का नुकसान हुआ ? यह तो आखिर भारत का ही नुकसान हुआ ।

आजादी के 43 साल के बाद हमारे हिन्दुस्तानी अपने को हिन्दुस्तानी नहीं समझें, तो इससे बढ़ कर शर्म की बात कुछ हो नहीं सकती । मुझे इस बात का दुख है कि जितने फिर्कावाराना फिसाद अब तक हुये एक मुहज्जब मुल्क हिन्दुस्तान में, किसी को आज तक सजा नहीं हुई । अगर सजा होती, तो यह वाक्यात नहीं होते ।

आप जानते है कि ऐसे मामले में क्रिमिनल्ज जो है, जिनका कोई धर्म नहीं –न वह मुसलमान है, न हिंदू, न सिख और न ईसाई है, इनका एक ही काम रहता है लूटना । इन लोगों को यह काम मिल जाता है जब ला एण्ड आर्डर खराब होता है और यह लूटते है और जलाते हैं ।

अब इस तरह से मासूम बच्चों का कत्ल करना, औरतों को जिंदा जला देना यह इन्तहाई शर्मनाक है कि आजाद हिंदुस्तान में इस तरह के वाक्यात हो रहे हैं । पता नहीं बाहर के लोग क्या समझेंगे । अभी हमारे हाशमी साहब ने कहा भी कि वह अमरीका में गये थे—हालांकि जगन्नाथ आजाद जी बहुत बड़े शायर हैं, उन्होंने कहा कि हमें शर्म महसूस हुई जब वहां के लोगों ने कहा पता नहीं सियासी ताकत को हासिल करने के लिए मजहब और धर्म को अगर हथियार बनाया जाए, तो इससे बढ़ कर मुल्क के लिए कोई शर्मींदगी नहीं हो सकती । मेरे पास अलफाज नहीं हैं कि मैं बताऊं कि आखिर इस मुल्क को क्या हो गया हैं । ठीक हैं वोटर्स वो देंगे । आप अपने मेनिफेस्टो दीजिए, लेकिन वोटर्स को खत्म करके, तब आप चाहते हैं